मानसी ने किया कृष्ण और यशोदा का दोहरा अभिनय

जबलपुर, 23 सितम्बर.

संगीत- समाज जबलपुर के सहयोग से उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत अकादमी भोपाल द्वारा आयोजित दो दिवसीय पांच शास्त्रीय नृत्यों के अभिनव समारोह घुंघरू ने जनमानस पर अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है. संस्कृति मंत्री अजय सिंह द्वारा उदघाटित समारोह की पहली प्रस्तुति मुंबई से पधारी भरतनाटयम की नृत्यांगना मानसी कमलाकर सोनटक्के ने दी. अपने आदिताल एवं नाटे राग पर आधारित गणेश वंदना से नृत्य प्रारंभ किया. एक ताल का नाटे ताल पर आपने पुष्पांजलि की मनमोहक प्रस्तुति एवं तत्पश्चात राग एवं ताल मलिका में देवी महात्म्य से ली गई अष्टो भुजंगी महिषासुर मर्दनी पंक्तियों द्वारा मां दुर्गा की आठ भुजाओं को विविध शास्त्रों सहित सुंदर भाव भंगिमाओं द्वारा चित्रित किया.

'घुंघरू' समारोह में दर्शक मंत्रमुग्ध

ताल मिश्र चाप एवं राग यमन कल्याण पर आधारित प्रस्तुति पदम में कृष्ण की बचपन की शरारतों एवं मां यशोदा के वात्सल्य का दोहरा अभिनय मानसी द्वारा किया गया. नृत्य के समापन के पूर्व कवि जयदेव द्वारा रचित गीत-गोविंद की छटी अष्टपदी ने सभी का मन मोह लिया. भरतनाटयम का समापन राग वृंदावन सारंग व आदि ताल में निबद्ध शुद्ध नृत्य रचना, तिल्लाना, में क्लिष्ट पदन्यास, लय, तालात्मक, गति स्थिति तथा रेखा, संगीत के अनोखेपन अंगविक्षेप के विरोधाभास की सुंदर प्रस्तुति कर घुंघरू की रचनात्मकता को द्विगुणित कर दिया.

ओडिसी नृत्य की अमूल्य बलवंतराय, भुवनेश्वर द्वारा अनिर्वचनीय प्रस्तुति ने समस्त श्रोताओं का मन मोह लिया. राग संकरारावरन एवं एक ताल में निबद्ध प्रस्तुति पल्लवी में नृत्य के कवितामयी विस्तार को देखकर दर्शक मुग्ध रह गये. मंडला से पधारी चेतना ज्योतिषी ब्यौहार की कथक की प्रस्तुति से कार्यक्रम का प्रथम चरण संपन्न हुआ.

फिल्मों के नृत्य निर्देशक विनोद चोपड़ा ने वीडियो प्रोजेक्टर द्वारा भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों का रंगमंच, दूरदर्शन और फिल्मों में सृजनात्मक प्रयोग पर व्याख्यान दिया.

विशाखापट्टनम से पधारी नीलिमा राजू ने कुचीपुड़ी, नृत्य द्वारा कृष्ण के बालसुलभ रूप व सौंदर्य का अत्यंत मनोहारी प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया. मणिपुरी नृत्य की प्रस्तुति बिम्बावती देवी ने दी. तांडव लास्य द्वारा स्त्री पुरुष के विपरीत व व्यवहार को सुंदर प्रस्तुति ताल नेवदा में कु. रिखिया बासु एवं इंद्राणी पाल ने दी। अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार ने अनिल

मोघे, भास्कर खांडेकर, संजय त्रिपाठी, डॉ. विपिन ब्यौहार, विलास मंडपे, रवि परांजपे, प्रदीप रानाडे के प्रयासों को उत्साहजनक बताते हुए सभी को भविष्य के कार्यक्रमों की जानकारी दी. संचालन संजय त्रिपाठी व आभार प्रदर्शन संगीत समाज के अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी ने किया.